बच्चों में आत्मविश्वास विकसित करना पालकों की जिम्मेदारी - डॉ.मजुमदार

व्यापार प्रतिनिधि

नागपुर, 6 फरवरी। बच्चों में आत्मविश्वास के विकास के लिये शिक्षकों के साथ ही माता-पिता की भी समान रूप से जिम्मेदारी है। जाति और रंग-रूप के आधार पर बच्चों के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिये, बल्कि हमें उनमें आत्म-विश्वास विकसित करने पर ध्यान देना चाहिये। प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और सिम्बियोसिस एजुकेशन इंस्टिट्यूट्स के संस्थापक एवं प्रमुख पद्मविभूषण डॉ.एस.बी. मजुमदार ने उपरोक्त विचार व्यक्त किये।

मुकुल माधव विद्यालय के चौथे वार्षिक दिवस के अवसर पर डॉ. मजुमदार ने अपने भाषण में कहा कि पुराने जमाने में लोगों की पहचान इस आधार पर की जाती थी कि उनके पास कितनी जमीन और रुपया-पैसा है। वर्तमान युग में व्यक्ति की पहचान उसके ज्ञान के आधार पर होती है। ज्ञान शक्ति है और इसलिये हमें ज्ञान की पूजा करनी चाहिये। उन्होंने बिल गेट्स और बिल क्लिंटन के वक्तव्यों का उदाहरण दिया। उन्होंने दो पहलुओं- स्वास्थ्य और शिक्षा पर जोर दिया, जो कि समाज की प्रगति के लिये महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि मुकुल माधव फाउंडेशन की संलग्नता वास्तव में सराहनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि दान करने वाला संग्रह करने वाले अधिक उत्कृष्ट होता है। इस अवसर पर सुश्री विद्या येरवडेकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इसके साथ ही मुकुल माधव फाउंडेशन के प्रमोटर प्रह्लाद छाबरिया, एस. के. जैन, फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौरभ धानोरकर, सॉलिसिटर और क्राफोर्ड बेले एंड कंपनी लॉ फर्म, मुंबई के सीनियर पार्टनर और फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक संजय आशर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नंदकुमार ठाकुर, एडिशनल कलेक्टर अजीत पवार ने भी आयोजन में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।